Course Code: 2MA **SANS** 3
Course: **भारतीय दर्शन** II
Credit: 4
Last Submission Date: October 31, (for January Session)
April 30, (for July session)

Max. Marks:-30
Min. Marks:-11

Note:-attempt all questions.

प्र.1 निम्न की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए–

(अ) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघासके हेतौ।

दृष्टे सापार्था चेन्नैकान्सात्यन्सोडभावप्त।।

(ब) तस्माच्च विपर्यासाप्सद्धं साक्षित्वमस्य पुरूषस्य।

कैवल्यं माध्यस्थ्यं दृष्टत्वमकर्तृ भावश्च।।

प्र.2 संदर्भ प्रसैं व्याख्या कीजिए–

(अ) प्रकृतेः सुकुमारतरं न किञ्चिदस्तीति में मतिर्भवति।

या दृष्टाडस्मीति पनर्म दर्शनमुवैति पुरूषस्य।।

(ब) तस्मात्त बाध्यतेडद्धा न मुच्यसे नाडपि संसरति कश्चिस्।

संश्रराति बध्यसे मुचयसे च नानाश्रया प्रकृतिः॥

प्र.3 सांख्यदर्शन की उत्पत्ति प्राचीनता एवं विकास पर निबंध लिखिए?

प्र.4 सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्टि कम की विवेचना कीजिए–

प्र.5 सत्कार्यवाद सिघ्दांत को समझाइये?

प्र.6 सप्रसैं व्याख्या कीजिए?

(अ) अथ को धर्मः किं तस्य लक्षणमिति चेत। उच्यते यागादिरेव

धर्मः। तत्लक्ष्णं वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजन वद्र्थो धर्मः इति।।

प्र.7 सप्रसैं व्याख्या कीजिए–

(अ) स च यागादिः यजेत स्वर्ग काम इत्यादि।

वाक्येन स्वर्गमुदिश्य पुरूषं प्रति विधीयते।।

प्र.8 अर्थसंग्रह के प्रतिपाद्य विषय पर निबंध लिखिए?

प्र.9 भावना के लक्षण एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए?

प्र.10 योग दर्शन पर संक्षिप्त निबंध लिखिए?